A.B.M. College, Golmuri, JSR

2nd year INTER

Hindi core 'A'

Ch-06 काव्य - खण्ड

कवि का नाम :- कुँवर नारायण

कविता :- 1, कविता के बहाने
2, बात सीधी थी पर

Q.1 व्याख्या :- कविता एक खिलना है फूलों के बहाने,
कविता का खिलना भला फूल क्या गाने!
बाहर भीतर
इस घर, उस घर
बिना मुरझाए महकने के माने
फूल क्या जाने?

Ans प्रसंग ⇒ प्रस्तुत काव्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक "आरोह, भाग-2" में संकलित कविता "कविता के बहाने" से उद्धृत है। इसके रचयिता कुँवर नारायण हैं।

प्रस्तुत कविता इन दिनों संग्रह से ली गयी है। इसमें कवि ने बताया है कि कविता एक यात्रा है जो चिड़िया, फूल से लेकर बच्चे तक की है एक ओर प्रकृति है तो दूसरी ओर भविष्य की तरफ कदम बढ़ाता बच्चा। कहने की आवश्यकता नहीं कि चिड़िया की उड़ान की सीमा है,

Scanned with CamScanner

फूल के खिलने के बाद उसकी परिणति तय है, लेकिन बच्चों के सपनों की कोई सीमा नहीं है। बच्चों के खेल में किसी प्रकार की सीमा का कोई बात नहीं होता। कविता भी शब्दों का खेल है और शब्दों के इस खेल में जड़, चेतन, अतीत, वर्तमान और भविष्य सभी उपकरण मात्र हैं। इसीलिए जहाँ कहीं रचनात्मक ऊर्जा होगी वहाँ सीमाओं के बंधन खुद ब खुद टूट जाते हैं। वो चाहे घर की सीमा हो, भाषा की सीमा हो या फिर समय की ही क्यों न हो।

अन्त में कवि स्पष्ट करना चाहता है कि कवि का मन कविता लिखते समय बच्चों के समान हो जाता है। उसका मन बाहर-भीतर तथा प्रत्येक स्थान पर पहुँच जाता है। बच्चा सभी घरों को एक समान ही समझता है। उसके लिए अपने-पराए का कोई अर्थ नहीं होता, उसी प्रकार कवि का बालको जैसा मन अपने-पराए को भावना से ऊपर उठकर सभी को समान समझने लगता है।

Q.2 "उड़ने" और "खिलने" का कविता से क्या संबंध बनता है?

Ans कवि कहता है कि कविता की उड़ान है। इसे कल्पना

सिद्ध करने के लिए वह चिड़िया का उदाहरण देता है। साथ ही चिड़िया की उड़ान के बारे में यह भी कहता है कि चिड़िया की उड़ान सीमित होती है किंतु कविता की कल्पना का दायरा असीमित होता है। चिड़िया घर के अंदर-बाहर या एक घर से दूसरे घर तक ही उड़ती है, परंतु कविता की उड़ान व्यापक होती है। कवि के भावों की कोई सीमा नहीं है। कविता घर-घर की कहानी कहती है। वह पंख लगाकर हर जगह उड़ सकती है। उसकी उड़ान चिड़िया की उड़ान से कहीं आगे है।

Q.3 "कविता एक उड़ान है चिड़िया के बहाने" - पंक्ति का भाव बताइए।

Ans इस पंक्ति का अर्थ यह है कि चिड़िया को उड़ते देखकर कवि की कल्पना भी ऊँची ऊँची उड़ान भरने लगती है। वह रचना करते समय कल्पना की उड़ान भरता है।

कविता को खेल की संज्ञा दी गई है। जिस प्रकार खेल का उद्देश्य मनोरंजन व आत्मसंतुष्टि होता है, उसी प्रकार कविता भी शब्दों के माध्यम से मनोरंजन करती है तथा रचनाकार को संतुष्टि प्रदान करती है।

Q.4 कवि के अनुसार कोई बात पेचीदा कैसे हो जाती है?

Ans कवि कहता है कि जब अपनी बात को सहज रूप से न कहकर तोड़-मरोड़कर या घुमा-फिराकर कहने का प्रयास किया जाता है तो बात उलझती चली जाती है। ऐसी बातों के अर्थ श्रोता या पाठक समझ नहीं पाता। वह मनोरंजन तो पा सकता है, परंतु कवि के भावों को समझने में असमर्थ होता है। इस तरीके से बात पेचीदा हो जाती है।

Q.5 'बात सीधी थी पर ....' कविता का संदेश स्पष्ट कीजिए।

Ans यह कविता भाषा के महत्व को प्रदर्शित करती है। कवि के अनुसार एक साधारण सी प्रतीत होने वाली बात भी जटिल हो जाती है, यदि भाषा का उचित प्रयोग नहीं किया जाए। इसके साथ यह भी होता है कि एक बार बात में जटिलता आने पर वह और भी अधिक जटिल होती जाती है। तमाशा देखने वाले उसमें आनन्द की अनुभूति करते हैं और वक्ता शब्दों के जाल में और भी अधिक फँसता चला जाता है, क्योंकि बात सरल बनने की जगह पेचीदी बन जाती है।

Scanned with CamScanner